RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 14 नवम्बर से 20 नवम्बर 2026 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 14 | अंक-119 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

दिवाली-धनतेरस पर सोने की बिक्री 30% बढ़ी, कीमत 21% गिरने का असर

52 टन सोना ₹72,000 करोड़ में बिका; चांदी की बिक्री 10% बढ़कर 300 टन रही

नई दिल्ली: सोने की कीमतों में रिकॉर्ड स्तर से 21 प्रतिशत की गिरावट के बाद दिवाली और धनतेरस पर खरीदारी में तेज उछाल आया। पिछले साल की तुलना में सोने की बिक्री 30 प्रतिशत बढ़ गई।

इस दौरान देश में करीब 52 टन सोना बिका, जिसकी कुल कीमत ₹72,000 करोड़ रही। चांदी की बिक्री भी 10 प्रतिशत बढ़कर 300 टन पहुंच गई और इसका मूल्य करीब ₹5,400 करोड़ रहा।

सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम ₹1.80 लाख के रिकॉर्ड स्तर से घटकर ₹1.42 लाख पर आ गई। यानी ₹38,000 की कमी हुई। कीमतों में नरमी से ग्राहक बाजार में लौटे। शादी के सीजन की शुरुआत ने भी खरीदारी को बढ़ावा दिया।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार ऊंची कीमतों के कारण पहले टाली गई मांग अब पूरी हो रही है।

वित्त वर्ष की शुरुआत में सितंबर तक सोने की बिक्री पिछले साल के मुकाबले करीब 50 प्रतिशत गिर गई थी। ऊंची कीमतें, आयात शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री की सोना कम खरीदने की अपील इसके मुख्य कारण थे।

ज्वेलरी सेगमेंट में प्राकृतिक हीरों की बिक्री भी बढ़ी। धनतेरस पर हीरों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 250 प्रतिशत उछली, जबकि दिवाली पर 47 प्रतिशत का इजाफा हुआ। लैब-ग्रोन हीरों का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है।

कीमतों में सुधार और त्योहारी सीजन ने बुलियन बाजार को फिर से सक्रिय कर दिया है। आगे की मांग शादी सीजन और वैश्विक कीमतों पर निर्भर करेगी।



नेट प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.8% बढ़कर ₹14.42 लाख करोड़ पहुंचा

1 अप्रैल से 10 नवंबर तक; कॉर्पोरेट टैक्स 17.8% बढ़ा, बजट लक्ष्य का 53% पूरा

भोपाल: आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 10 नवंबर 2026 तक देश का नेट प्रत्यक्ष कर संग्रह साल-दर-साल 11.76 प्रतिशत बढ़कर ₹14.42 लाख करोड़ हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह ₹12.90 लाख करोड़ था।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.02 प्रतिशत बढ़कर ₹17.50 लाख करोड़ रहा, जबकि पिछले साल यह ₹15.35 लाख करोड़ था।

रिफंड में करीब 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह ₹3.08 लाख करोड़ पहुंच गया। पिछले साल इसी अवधि में रिफंड ₹2.45 लाख करोड़ था।

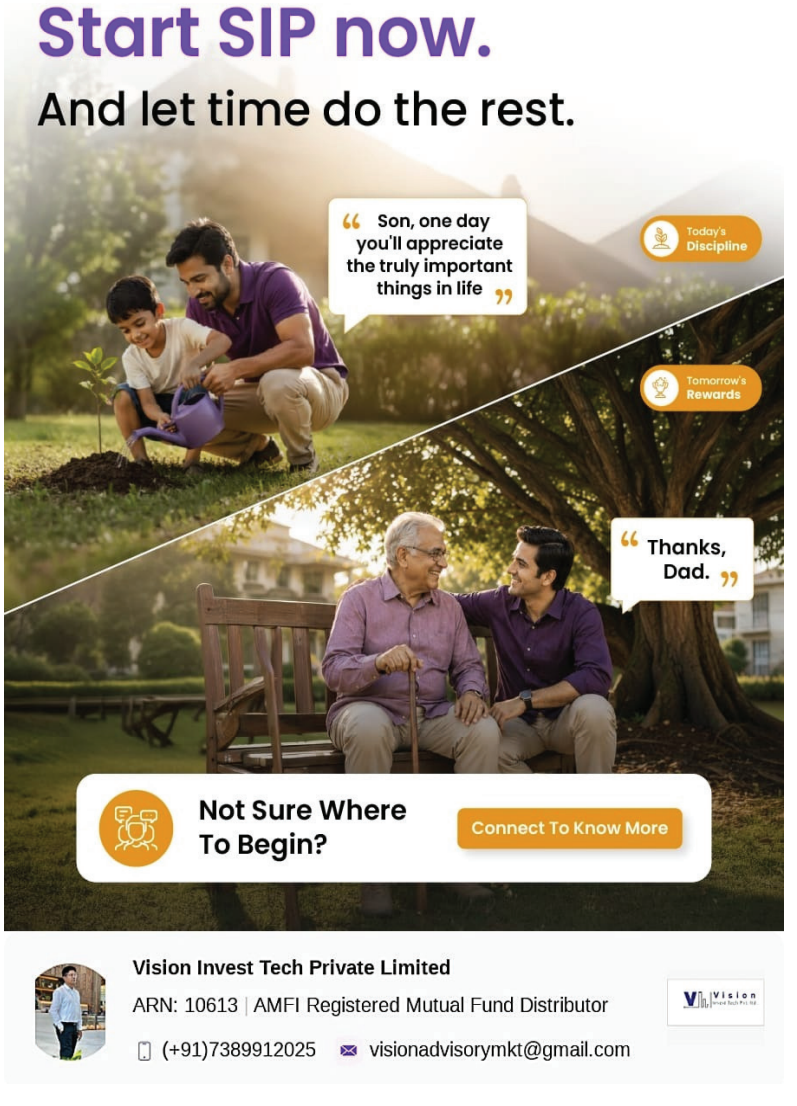
कॉर्पोरेट टैक्स में सबसे ज्यादा तेजी रही। नेट कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 17.84 प्रतिशत बढ़कर ₹6.32 लाख करोड़ हो गया। गैर-कॉर्पोरेट टैक्स, जिसमें व्यक्तिगत आयकर भी शामिल है, 5.30 प्रतिशत बढ़कर ₹7.56 लाख करोड़ रहा। सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में 51.56 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई और संग्रह ₹54,078 करोड़ तक पहुंच गया।

वित्त वर्ष 27 के लिए सरकार ने प्रत्यक्ष कर का बजट लक्ष्य ₹26.97 लाख करोड़ रखा है, जो पिछले साल के ₹23.40 लाख करोड़ से 15 प्रतिशत ज्यादा है। 10 नवंबर तक इस लक्ष्य का करीब 53 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

रिफंड में तेज बढ़ोतरी के बावजूद नेट संग्रह बजट की रफ्तार के करीब बना हुआ है। कॉर्पोरेट टैक्स और एसटीटी की मजबूत बढ़त ने कुल संग्रह को सहारा दिया है। शेष अवधि में बजट लक्ष्य पूरा करने के लिए संग्रह को और गति पकड़नी होगी।

कॉर्पोरेट कर में मजबूत वृद्धि और बाजार गतिविधियों से एसटीटी का उछाल राजस्व संग्रह को सहारा दे रहा है। बाकी अवधि में लक्षित वृद्धि बनाए रखने पर वर्ष के अंत तक बजट लक्ष्य पूरा होने की संभावना रहेगी।





अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.09% पहुंची, आरबीआई की अपर लिमिट टूटी

दो साल बाद 6% के पार; खाद्य महंगाई 8.94% रही, दिसंबर में और दर बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली: अक्टूबर 2026 में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत हो गई। यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अपर लिमिट 6 प्रतिशत को दो साल बाद फिर से पार कर गई है। सितंबर में यह 5.54 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार यह नई सीपीआई श्रृंखला (आधार वर्ष 2024) के तहत अब तक की सबसे ऊंची दर है। महंगाई अब लगातार पांच महीने से आरबीआई के मध्यम अवधि लक्ष्य 4 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई का लक्ष्य 4 प्रतिशत है, जिसके दोनों ओर 2 प्रतिशत का बैंड है।

मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतें रही। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक पर आधारित खाद्य महंगाई सितंबर के 7.74 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 8.94 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 9.09 प्रतिशत और शहरी में 8.68 प्रतिशत रही। प्याज, लहसुन, अदरक, प्रोटीन वाली वस्तुएं और खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी ने दबाव बढ़ाया। मानसून की कमी और वैश्विक कीमतों का असर भी दिखा।

आंकड़ों में 12 प्रमुख श्रेणियों में से 11 में व्यापक बढ़ोतरी दर्ज हुई। परिवहन और रेस्तरां सेवाओं की कीमतें भी बढ़ीं। आरबीआई ने अक्टूबर में रेपो दर बढ़ाई थी और वित्त वर्ष 27 के लिए औसत महंगाई अनुमान को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। दिसंबर की नीति समीक्षा में और 25 आधार अंक की बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है।



दक्षिण कोरियाई ऑटो पार्ट्स कंपनियां तमिलनाडु में लगाएंगी ₹1,370 करोड़

ह्वाशिन और सेओयोन ई-ह्वा का पांच साल का विस्तार; हुंडई और अन्य ओईएम को आपूर्ति मजबूत होगी

चेन्नई: दक्षिण कोरिया की दो प्रमुख ऑटो कंपोनेंट कंपनियों ह्वाशिन ऑटोमोटिव इंडिया और सेओयोन ई-ह्वा समिट ऑटोमोटिव इंडिया ने अगले पांच वर्षों में तमिलनाडु में कुल ₹1,370 करोड़ का निवेश करने का प्रस्ताव दिया है।

ह्वाशिन ऑटोमोटिव ₹850 करोड़ लगाएगी। यह राशि अनुसंधान व विकास, उन्नत विनिर्माण तकनीक, स्थानीयकरण, क्षमता विस्तार और नई परियोजनाओं पर खर्च होगी। कंपनी 2002 से सिपकॉट इंडस्ट्रियल पार्क, इरुंगट्टुकोट्टई में चेसिस और बॉडी कंपोनेंट्स बना रही है।

सेओयोन ई-ह्वा समिट 2027 से 2031 के बीच ₹520 करोड़ का निवेश करेगी। धनराशि तकनीकी उन्नयन, विनिर्माण सुविधाओं के आधुनिकीकरण और नए कारोबार के विकास पर लगेगी। कंपनी बंपर, डोर ट्रिम, पिलर ट्रिम और पैकेज ट्रे जैसे इंटीरियर-एक्सटीरियर पार्ट्स बनाती है। इसकी इकाई ओरागदम में है।दोनों कंपनियां हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और अन्य ऑटो निर्माताओं की प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। उन्होंने 11 नवंबर को राज्य सरकार को अलग-अलग पत्र भेजकर निवेश का इरादा जताया। उद्योग मंत्री एस. कीर्तना ने कहा कि ये प्रस्ताव तमिलनाडु के औद्योगिक इकोसिस्टम पर वैश्विक निर्माताओं के भरोसे की पुष्टि करते हैं।

हाल ही में कुछ रिपोर्टों में इन कंपनियों के आंध्र प्रदेश की ओर जाने की चर्चा हुई थी। अब वे तमिलनाडु में विस्तार जारी रखने का संकेत दे रही हैं। निवेश से स्थानीयकरण बढ़ेगा और हुंडई समूह की भारत में विनिर्माण योजनाओं को सहारा मिलेगा। औपचारिक समझौते की संभावना जताई जा रही है। ये कदम राज्य के ऑटो कंपोनेंट क्लस्टर को और मजबूत करने वाले हैं।



Bharti Open to Raising Eutelsat OneWeb Stake to 30%, Rules Out Majority

Sunil Mittal Says Satellite Firm Will Remain Primarily European; Group Eyes Broader Expansion

New Delhi: Bharti Group is open to increasing its stake in Eutelsat OneWeb to around 30 per cent, matching the French government's holding, but will not seek majority control, chairman Sunil Bharti Mittal said.

Speaking to ET as the group completes 50 years, Mittal said the satellite company will primarily remain European. Bharti will not become a majority shareholder to preserve that identity.

Apart from satellite communications, financial services, sovereign cloud and AI data centres will be the group's next big bets. Bharti Airtel continues to pursue one billion global customers in telecom. With Airtel now well-established, the group is looking at further expansion.



Mittal also addressed succession. He said succession can be disruptive and any founder must leave behind clarity. The group has laid early foundations of "House of Bharti," a charter for the next generation.

"If there's a contest between the family and enterprise, enterprise wins every time," he said. Next year the group expects zero public debt, with only DoT spectrum payments and AGR liabilities remaining.

The comments come as satellite broadband gains strategic importance, with governments seeking alternatives beyond US and Chinese systems. Eutelsat OneWeb remains key to Bharti's satcom plans.

सुपर रैली में 66% बड़े शेयर 200 दिन के औसत से ऊपर, मिडकैप-स्मॉलकैप पीछे

निफ्टी 100 के 95% शेयर 20 दिन के औसत से ऊपर; विदेशी निवेशकों की खरीदारी ने बाजार का रुख बदला

भोपाल: शेयर बाजार की हालिया तेज रैली में बड़ी कंपनियों के शेयर सबसे आगे निकले हैं। निफ्टी 100 के 66 प्रतिशत शेयर अपने पिछले 200 कारोबारी दिनों के औसत भाव से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। इसके मुकाबले निफ्टी मिडकैप 150 के करीब 47 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 250 के 43 प्रतिशत शेयर ही इस स्तर से ऊपर हैं। यानी बाजार की वापिसी में बड़े शेयरों की मजबूती ज्यादा है, जबकि छोटे-मझोले शेयरों में सुधार अभी उतना व्यापक नहीं हुआ है।

बाजार की भाषा में 200 दिन का मूविंग एवरेज शेयर की लंबी अवधि की सेहत का पैमाना माना जाता है। इससे ऊपर भाव होने को मजबूती का संकेत माना जाता है। 20 दिन का औसत छोटी अवधि की चाल बताता है। तीनों इंडेक्स अपने 200 दिन के औसत से ऊपर हैं, लेकिन उनके भीतर सभी शेयरों की स्थिति एक जैसी नहीं है।

छोटी अवधि की तस्वीर ज्यादा बेहतर है। निफ्टी 100 के 95 प्रतिशत शेयर पिछले 20 कारोबारी दिनों के औसत भाव से ऊपर हैं। मिडकैप 150 में ऐसे शेयरों की संख्या 122 और स्मॉलकैप 250 में 185 है। इससे संकेत मिलता है कि हालिया खरीदारी का फायदा तीनों कैटेगरी को मिला है, लेकिन लंबी अवधि की रफ्तार सुधारने में छोटे-मझोले शेयर पीछे हैं।



एम्बिट कैपिटल सिक्योरिटीज के सुदीप शाह के मुताबिक, निफ्टी 100 के 95 प्रतिशत शेयरों का 20 दिन और 200 दिन दोनों औसत से ऊपर होना खरीदारी और बढ़ते भरोसे का संकेत है। ऐसे आंकड़े मजबूत बाजार के दौर में दिखते हैं। कंपनी के रिसर्च प्रमुख गौरव गर्ग का मानना है कि लगभग हर बड़े शेयर का तेजी में शामिल होना पिछले दो सप्ताह जैसी जोरदार खरीदारी के दौरान देखने को मिलता है।

वर्ष 2026 की पहली छमाही में छोटे-मझोले शेयर आगे थे। सितंबर तक स्मॉलकैप 100 साल की शुरुआत से 13 प्रतिशत ऊपर था, जबकि निफ्टी 100 नीचे था। अब विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के उन शेयरों में पैसा लगा रहे हैं जो गिरवट के बाद सस्ते हुए थे। हालिया दौर में निफ्टी 10.5 प्रतिशत चढ़ा और एक सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने लगभग ₹46,000 करोड़ लगाए।

आगे देखते हुए तेज रैली के लिए दायरा बढ़ना जरूरी है। कई शेयरों की रकम पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। भाव कुछ समय ठहर सकते हैं या तेजी की अगुआई करने वाले शेयर कुछ बदल सकते हैं। उनके मुताबिक, नजर इस पर रहेगी कि 200 दिन के औसत से ऊपर वाले बड़े शेयरों की हिस्सेदारी 70-75 प्रतिशत के पार जाती है या नहीं।

कुल मिलाकर मौजूदा रैली में बड़ी कंपनियों के शेयरों की भागीदारी ज्यादा साफ है और छोटे-मझोले शेयर लंबी अवधि के औसत पर अभी भी पीछे चल रहे हैं।





Vision Invest Tech Private Limited
ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor
(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com

Infinity SIF
by kotak Mutual Fund

Infinity Equity Long-Short Fund

NFO Period: 17th Nov to 1st Dec 2026

Infinity Equity Long-Short Fund
An open ended equity investment strategy investing in listed equity and equity related instruments including limited short exposure in equity through derivative instruments.

This product is suitable for investors seeking $:	Risk-Band*	Benchmark Risk-band* NIFTY 100 Total Return Index (TRI)
• To generate Long term capital appreciation. • An open ended equity investment strategy investing in listed equity and equity related instruments including limited short exposure in equity through derivative instruments.	RISK BAND	BENCHMARK RISK BAND

$ Investors should consult their financial advisers if in doubt whether the product is suitable for them. * The Risk Band is as per AMFI specification.
The above product labelling assigned during the New Fund Offer (NFO) is based on internal assessment of the characteristics of the investment strategy or model portfolio and the same may vary post NFO when the actual investments are made
SEBI Registered Name: Kotak Mahindra Mutual Fund | SEBI Registered Number: MF/038/98/1
Investments in Specialized Investment Fund involve relatively higher risks including potential loss of capital, liquidity risk and market volatility.
Please read all investment strategy related documents carefully before making the investment decision.


Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor


Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor


Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

Coal India to Offload 10% in Mahanadi Coalfields via SEBI-Cleared IPO

Pure offer-for-sale of up to 66.18 crore shares; dates and price band still pending as Odisha coal major eyes NSE-BSE listing

Mumbai: Mahanadi Coalfields Limited has secured Securities and Exchange Board of India approval to launch its initial public offering. The issue will be entirely an offer for sale by parent Coal India of up to 66.18 crore equity shares of face value ₹2, amounting to about a 10% stake. The subsidiary will not receive any proceeds from the sale.

SEBI issued its final observations on the draft red herring prospectus on 4 November 2026. The book-built issue is proposed for listing on both the National Stock Exchange and the BSE. Opening and closing dates, the price band, lot size and the rupee value of the offer remain to be announced. Under the planned allocation, not more than 50% of the net offer will go to qualified institutional buyers, not less than 15% to non-institutional investors and at least 35% to retail individual investors.

Formed in 1992 from South Eastern Coalfields to develop Odisha's Talcher and Ib Valley fields, Mahanadi Coalfields holds Miniratna Category I status. In FY26 it produced 218.31 million tonnes of non-coking coal, roughly 22.4% of India's total non-coking output and 28.3% of Coal India's production. As of 30 June 2026, the company operated 17 mines—14 opencast and three underground backed by coal handling plants, rapid loading systems, silos and rail links. Its coal supplies power utilities, independent power producers, captive plants and sectors such as cement and sponge iron.

Revenue from operations declined 2.56% to ₹30,549.59 crore in FY26, while profit after tax eased to ₹10,698.12 crore from ₹10,825.12 crore a year earlier. In the June 2026 quarter, revenue rose to ₹8,033.77 crore but profit fell to ₹2,398.78 crore.

Book-running lead managers are SBI Capital Markets, Axis Capital, BOB Capital Markets, IDBI Capital Markets & Securities and IIFL Capital Services; KFin Technologies is the registrar. The pure OFS lets Coal India unlock value from a high-volume producer that already accounts for a major share of domestic non-coking coal. Investors will be buying an established mining franchise rather than funding expansion, with final pricing and demand to set the listing outcome once the band is fixed.



एड्रॉइट इंडस्ट्रीज आईपीओ 25 सितंबर तक खुला, मूल्य बैंड 126-134 रुपये

151 करोड़ रुपये का निर्गम; रिटेल लॉट 111 शेयर, ऊपरी कीमत पर न्यूनतम निवेश 14,874 रुपये; लिस्टिंग 30 सितंबर को

एड्रॉइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 23 सितंबर को खुला और 25 सितंबर 2026 तक आवेदन लिए जाएंगे। यह बुक-बिल्ट इश्यू करीब 151 करोड़ रुपये का है। इसमें 98.97 लाख नए शेयरों से लगभग 133 करोड़ रुपये और प्रवर्तक मुकेश सांगला (एचयूएफ) के 13.50 लाख शेयरों की बिक्री से करीब 18 करोड़ रुपये शामिल हैं। मूल्य बैंड 126 से 134 रुपये प्रति शेयर है, अंकित मूल्य 10 रुपये।

लॉट साइज 111 शेयर है। रिटेल निवेशक को ऊपरी बैंड पर न्यूनतम 14,874 रुपये लगाने होंगे। आवंटन 28 सितंबर, रिफंड व डीमैट क्रेडिट 29 सितंबर और बीएसई-एनएसई पर लिस्टिंग 30 सितंबर को प्रस्तावित है। ऊपरी कीमत पर बाजार पूंजीकरण करीब 600 करोड़ रुपये बनेगा। नेट ऑफर में क्यूआईबी 50 प्रतिशत, एनआईआई 15 प्रतिशत और रिटेल 35 प्रतिशत है। एंकर निवेशकों से 22 सितंबर को 45.21 करोड़ रुपये जुटाए गए। बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स और रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज हैं।



कंपनी 1995 में बनी और प्रोपेलर शाफ्ट तथा ड्राइवलाइन के टॉर्क-ट्रांसमिशन पुर्जे बनाती है। पोर्टफोलियो में 5,000 से अधिक एसकेयू हैं। फोर्जिंग से लेकर मशीनिंग, हीट ट्रीटमेंट, असेंबली और परीक्षण तक काम इन-हाउस होता है। उत्पाद वाणिज्यिक वाहन, एसयूवी, रक्षा, भारी उपकरण और औद्योगिक उपयोग में जाते हैं। वित्त वर्ष 2026 में 32 से अधिक देशों को निर्यात हुआ। जुलाई 2026 तक स्थायी कर्मचारी 367 थे।

वित्त वर्ष 2026 में कुल आय 143 करोड़ और लाभ 26.16 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष से लाभ में 44 प्रतिशत अधिक है। ताजा पूंजी देवास संयंत्र की मशीनरी, सहायक अड्रॉइट ड्राइवशाफ्ट्स के पीथमपुर विस्तार और ऋण चुकौती पर लगेगी। प्रवर्तक हिस्सेदारी निर्गम बाद करीब 72 प्रतिशत रह जाएगी।

ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेत है और बदल सकता है। निवेशकों को ऑटो-कंपोनेंट चक्र, निर्यात मांग, कर्ज और मूल्यांकन देखकर निर्णय लेना चाहिए। यह लेख सूचना मात्र है, आवेदन सलाह नहीं।

Gold ETFs Smash 2025 Record in 10 Months, Inflows Cross ₹49,399 Crore

January alone brings nearly half the year's money; October slows but investors still treat gold as long-term diversifier

New Delhi: Gold exchange-traded funds have attracted more money in the first ten months of 2026 than they did in the whole of 2025. Cumulative net inflows reached approximately ₹49,399 crore between January and October, according to AMFI data compiled by Morningstar Investment Research India. That exceeds the ₹42,961 crore collected across the entire previous calendar year by about ₹6,438 crore, or 15%, with two months still remaining.

The distribution of inflows has been uneven. January alone brought in ₹24,040 crore, nearly 49% of the ten-month total and the standout month of the year. February followed with ₹5,255 crore and September with ₹4,451 crore. May was the only period of net outflows during January–October. October itself moderated to around ₹3,474 crore from September's ₹4,451 crore, a decline of roughly 22% month-on-month, yet stayed firmly positive and kept the year-to-date total on a record path.

Nehal Meshram, Senior Analyst at Morningstar Investment Research India, said the sustained strength highlights investors' growing willingness to treat gold as a long-term portfolio allocation inside diversified and multi-asset schemes. She observed that the October slowdown may partly reflect profit-taking after the metal's strong performance earlier in the year. Geopolitical uncertainty, concerns over global economic growth and shifting expectations around monetary policy continue to underpin interest, with the metal increasingly viewed as a diversifier and defensive asset rather than a purely short-term opportunity.

Nitin Agrawal, CEO of Mutual Funds at InCred Money, pointed to broader demand for precious metals. Gold and silver ETFs together drew ₹6,566 crore in October, of which silver ETFs accounted for ₹3,092 crore, showing that interest is not confined to gold alone.

For investors, record inflows do not guarantee continued price gains. Gold ETFs simply track domestic gold prices and remain subject to volatility, currency movements and global risk sentiment. The October moderation illustrates that enthusiasm can ease even while the annual total sets a new high. With November and December still to come, the category has already rewritten the previous year's benchmark, reinforcing gold's role in Indian portfolios amid ongoing uncertainty.



अक्टूबर में जीवन बीमा कंपनियों का नया प्रीमियम 26 प्रतिशत बढ़कर 42,914 करोड़ रुपये रहा

एलआईसी 31 प्रतिशत वृद्धि के साथ 25,316 करोड़ जुटाया; निजी कंपनियों का प्रीमियम 20 प्रतिशत बढ़ा, समूह व्यवसाय ने आगे बढ़ाया

नई दिल्ली: भारतीय जीवन बीमा कंपनियों ने अक्टूबर 2026 में नए व्यवसाय प्रीमियम में 26 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में कुल नया व्यवसाय प्रीमियम 42,914 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के इसी महीने के 34,007 करोड़ रुपये से अधिक है। वृद्धि एकल और गैर-एकल दोनों प्रकार की पॉलिसियों की बिक्री से आई।

इस वृद्धि में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सबसे बड़ा योगदान दिया। एलआईसी ने अक्टूबर में 25,316 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम जुटाया, जो पिछले वर्ष अक्टूबर के 19,274 करोड़ रुपये से 31 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी का उद्योग में हिस्सा करीब 59 प्रतिशत रहा। वहीं 26 निजी जीवन बीमा कंपनियों ने मिलकर 17,599 करोड़ रुपये जुटाए, जो पिछले वर्ष के 14,733 करोड़ रुपये से करीब 20 प्रतिशत अधिक है।

समूह व्यवसाय ने प्रीमियम वृद्धि का मुख्य आधार बनाया। समूह प्रीमियम 37.3 प्रतिशत बढ़कर 29,068 करोड़ रुपये पर पहुंचा और कुल नए व्यवसाय प्रीमियम का लगभग 68 प्रतिशत हिस्सा बना। समूह एकल प्रीमियम भी 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25,927 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत नए व्यवसाय प्रीमियम की वृद्धि अपेक्षाकृत कम रही—7.9 प्रतिशत बढ़कर 13,847 करोड़ रुपये। निजी क्षेत्र में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम 2,008 करोड़ रुपये और व्यक्तिगत गैर-एकल प्रीमियम 6,666 करोड़ रुपये रहा।

निजी कंपनियों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने 37.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,437 करोड़ रुपये जुटाए। एचडीएफसी लाइफ का प्रीमियम 17.8 प्रतिशत बढ़कर 3,334 करोड़, एसबीआई लाइफ 11.6 प्रतिशत बढ़कर 3,556 करोड़ और आदित्य बिड़ला सन लाइफ 20 प्रतिशत बढ़कर 1,348 करोड़ रुपये रहा। बजाज लाइफ ने भी 19 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की।

दिलचस्प बात यह है कि प्रीमियम की वृद्धि पॉलिसी संख्या से आगे रही। एलआईसी की पॉलिसी और योजना संख्या 7.8 प्रतिशत घटकर 11.61 लाख रह गई, जबकि निजी कंपनियों की संख्या 3.9 प्रतिशत बढ़कर 7.21 लाख हुई। इससे औसत प्रीमियम आकार बड़ा होने का संकेत मिलता है।

निवेशकों के लिए यह आंकड़ा जीवन बीमा क्षेत्र में मजबूत मांग और समूह व्यवसाय की ताकत दिखाता है। एलआईसी की तेजी निजी कंपनियों से अधिक रही, जिससे उसके बाजार हिस्से पर नजर रहेगी। दीर्घकालिक स्वास्थ्य तब स्पष्ट होगा जब व्यक्तिगत पॉलिसियों की संख्या और नवीनीकरण भी साथ बढ़े।



फेयरफैक्स का 52,878 करोड़ का आईडीबीआई बैंक सौदा, वित्तीय सेवाओं का केंद्र बनेगा

60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी 81 रुपये प्रति शेयर पर; डिजिट बीमा और आईआईएफएल कैपिटल जोड़कर यूनिवर्सल बैंक बनाने की योजना

नई दिल्ली: कनाडाई निवेशक फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का 52,878 करोड़ रुपये का आईडीबीआई बैंक अधिग्रहण सौदा भारत के वित्तीय क्षेत्र में सबसे बड़े विदेशी प्रत्यक्ष निवेशों में से एक है। फेयरफैक्स ने सरकारी बेंचमार्क मूल्यांकन 75.99 रुपये के मुकाबले 81 रुपये प्रति शेयर की पेशकश की और 60.72 प्रतिशत नियंत्रित हिस्सेदारी हासिल की। यह ऑफर मार्च 2026 के नियामक बुक वैल्यू 51.85 रुपये से 56 प्रतिशत प्रीमियम और मई 2026 के समापन भाव 70.38 रुपये से करीब 15 प्रतिशत ऊंचा था।

कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की मंजूरी के बाद सरकार 30.48 प्रतिशत और एलआईसी 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। सौदे के बाद सरकार के पास करीब 15 प्रतिशत और एलआईसी के पास करीब 19 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। फेयरफैक्स को प्रबंधन नियंत्रण मिलेगा। फेयरफैक्स के प्रेसिडेंट पीटर क्लार्क ने कहा कि आईडीबीआई में वैश्विक पहुंच वाला भारत का सबसे बेहतरीन यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता है।

फेयरफैक्स की योजना बैंक के साथ गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, गो डिजिट लाइफ इंश्योरेंस और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी हिस्सेदारी जोड़ना है। इससे बैंकिंग, जीवन व सामान्य बीमा, निवेश बैंकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट का एकीकृत प्लेटफॉर्म बनेगा। यह एसबीआई, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी और कोटक जैसे समूहों से प्रतिस्पर्धा कर सकता है। बैंक की ग्राहक आधार पर क्रॉस-सेलिंग से राजस्व धाराएं चौड़ी होने की उम्मीद है।

आईडीबीआई बैंक मई 2017 से मार्च 2021 तक आरबीआई के प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन फ्रेमवर्क में रहा था। बार-बार पूंजी सहायता के बाद बैंक मुनाफे में लौटा। पिछले वित्त वर्ष में करीब 9,000-10,000 करोड़ रुपयेका लाभ दर्ज किया। सकल एनपीए घटकर 2.32 प्रतिशत और पूंजी पर्याप्तता 26.65 प्रतिशत हो गई। सरकार का तर्क है कि सुधारे हुए बैंक को फेयरफैक्स की बीमा और पूंजी बाजार क्षमताओं से जोड़कर व्यापक वित्तीय सेवा फ्रेंचाइज बनाया जा सकता है।

सौदे और व्यवसाय एकीकरण के लिए नियामक, शेयरधारक और अन्य मंजूरियां जरूरी होंगी। योगदान किए जाने वाले व्यवसायों का निपटान बैंक शेयरों या अन्य स्वीकृत माध्यम से हो सकता है। फेयरफैक्स का भारत में अनुभव 2001 से है और उसने सीएसबी बैंक में भी पूंजी व तकनीक डालकर सुधार किया था।

निवेशकों के लिए यह सरकारी हिस्सेदारी घटाने और निजी प्रबंधन के साथ बैंक को विविध वित्तीय समूह बनाने का दांव है। असली परीक्षा एकीकरण की गति, मूल्यांकन, शासन और नियामक जांच में टिके रहने की होगी।



Birla Bets ₹1,800 Crore on Wires and Cables After Cement Empire

Ultravolt Aims for Top-Two Slot in Five Years; Gujarat Plant and UltraTech Retail to Drive Reach

New Delhi: The Aditya Birla Group, long identified with cement through UltraTech, is putting ₹1,800 crore behind a wires and cables business branded Ultravolt.

Chairman Kumar Mangalam Birla said wires and cables sit at the junction of urbanisation, electrification and digitisation. More than 100 million new homes over the next decade, expanding power networks and data centres are expected to lift demand. India's wires and cables market is estimated at about ₹90,000 crore and grew at around 13 per cent a year between FY19 and FY24. Demand is projected to rise 11–13 per cent annually through FY27.

Ultravolt will make home wires, flexible wires and cables for residential, commercial, industrial and infrastructure use, and later add electrical accessories. A plant at Jhagadia in Gujarat's Bharuch district will feed a network of more than 20 warehouses. Initial distribution is planned across 500-plus districts and 6,000 pin codes, using UltraTech's reach of over one lakh retailers and 5,000 Building Solutions outlets.

The group wants to be among the top two players in the segment within five years and says it is already targeting second place by capacity. The market remains fragmented, with nearly 400 producers and no firm holding more than 15 per cent in wires. Organised players have gained share as quality and branding matter more.

Ultravolt is the group's fourth new business in three years and can tap Hindalco for copper and aluminium. Execution will depend on dealer acceptance in a category still dominated by established electrical brands.



Temasek to Invest ₹2,500 Crore in Godrej Capital at Up to ₹28,000 Crore Valuation

Godrej Industries Group Retains About 80% Stake; Lender Eyes ₹1 Lakh Crore AUM by 2031

Mumbai: Singapore's Temasek Holdings will invest ₹2,500 crore (about $267 million) in Godrej Capital, the financial services arm of Godrej Industries Group, through its affiliate Jongsong Investments Pte Ltd.

The equity infusion values Godrej Capital at up to ₹28,000 crore. After the transaction, the Godrej Industries Group will retain approximately 80 per cent ownership. The deal is subject to regulatory approvals.

Founded in 2020, Godrej Capital offers home loans, loans against property, working-capital loans, construction finance, gold loans, supply-chain finance and personal loans through its subsidiaries. It operates in more than 100 cities and reported assets under management of ₹35,000 crore as of 31 October 2026.

Pirojsha Godrej, chairperson of Godrej Industries Group, said financial services is a major long-term growth area for the group. The ambition is to build Godrej Capital into a ₹1 lakh crore AUM franchise by 2031.

Temasek already holds a stake in ICICI Bank and has been expanding its presence in India's financial services sector. The investment adds to a series of large transactions in the space this year. The capital is expected to support Godrej Capital's lending growth and balance-sheet expansion as it scales its retail and wholesale portfolios.

सुजलॉन एनर्जी ने ऑपरेटिंग मार्जिन गाइडेंस घटाकर 15% की !

FY27 के लिए पहले 17% था अनुमान; प्रोजेक्ट मिक्स, कमोडिटी और फॉरेक्स दबाव

बेंगलुरु: पवन ऊर्जा कंपनी सुजलॉन एनर्जी ने वित्त वर्ष 27 के लिए अपना ऑपरेटिंग मार्जिन गाइडेंस 17 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। प्रोजेक्ट मिक्स में बदलाव, कमोडिटी कीमतों में वृद्धि और विदेशी मुद्रा अस्थिरता ने लाभप्रदता पर दबाव डाला है।

सितंबर तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल 1.3 प्रतिशत बढ़कर ₹394 करोड़ रहा। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह ₹389 करोड़ था। वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में ईबीआईटीडीए मार्जिन 15.1 प्रतिशत रहा।

प्रबंधन के अनुसार गैर-आवर्ती परिचालन खर्चों ने मार्जिन पर करीब 1 प्रतिशत अंक और फॉरेक्स व कमोडिटी से जुड़े दबावों ने 0.5 प्रतिशत अंक का असर डाला। ग्राहक और प्रोजेक्ट मिक्स में बदलाव भी कारण रहा।

सीईओ अजय कपूर ने कहा कि गैर-आवर्ती खर्च तीसरी और चौथी तिमाही में कम होने की उम्मीद है। मानसून के बाद डिलीवरी में तेजी से ऑपरेटिंग लीवरेज सुधरेगा और मार्जिन में सुधार हो सकता है। कमोडिटी कीमतों में नरमी से अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।ऑर्डर बुक उच्च निष्पादन के बाद भी स्वस्थ 6 गीगावाट पर है, जो करीब डेढ़ साल की आपूर्ति के बराबर है। भारत का पवन बाजार अगले कुछ वर्षों में 8 गीगावाट से 13 गीगावाट तक बढ़ने की संभावना है। कंपनी अगली पीढ़ी की टर्बाइन के साथ विदेशी बाजारों में प्रवेश की तैयारी भी कर रही है।

घरेलू आपूर्ति श्रृंखला भू-राजनीतिक तनावों से कुछ हद तक सुरक्षा देती है, फिर भी लागत दबाव बने रहने की संभावना है।



Tata Electronics in Early Talks to Raise $2 Billion for Chip Plant

Funds Eyed for ₹91,000 Crore Dholera Fab with Taiwan's PSMC; First Tranche up to $800 Million

Bengaluru: Tata Electronics, the wholly owned semiconductor and electronics arm of Tata Sons, is in initial discussions with domestic and international banks to raise up to $2 billion in multiple loan tranches to fund its expansion.

The first tranche is expected to be up to $800 million. Early pricing talks are around SOFR plus 180 basis points, which could work out to roughly 6 per cent if SOFR stays near 3.9 per cent.

Final size, pricing and lender participation are yet to be firmed up. A Tata spokesperson did not immediately respond to queries.

The money is primarily for the proposed semiconductor fabrication plant at Dholera in Gujarat. Tata Electronics has signed a definitive agreement with Taiwan's Powerchip Semiconductor Manufacturing Corporation (PSMC) as technology partner. The plant is planned for 50,000 wafer starts a month and will produce 12-inch wafers on nodes from 28 nm to 110 nm for power-management chips and microcontrollers.

The project is estimated to cost ₹91,000 crore. Funding is expected to come from equity, long-term debt and capital subsidies under central and Gujarat semiconductor incentive schemes. India Ratings has noted that Tata Electronics' liquidity is supported by unencumbered cash of ₹2,845 crore at the end of FY25, equity infusions and the ability to raise working-capital and long-term limits.



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25144	26017	25721	25432	25136	24847	24551	24262
BANK NIFTY	61034	64625	63009	62022	60406	59419	57803	56816
SENSEX	81592	84569	83545	82568	81544	80567	79543	78566
FINNIFTY	27856	28924	28421	28139	27636	27354	26851	26569
MIDCAP	13346	14350	14379	13862	13891	13374	13403	12886
ACC	1222	1294	1277	1249	1232	1204	1187	1159
AXISBANK	1337	1431	1396	1366	1331	1301	1266	1236
ABCAPITAL	408	447	433	421	407	395	381	369
BHARTIARTL	2119	2231	2177	2148	2094	2065	2011	1982
BHEL	435	468	453	444	429	420	405	396
BIOCON	365	383	379	372	368	361	357	350
BEL	399	422	414	407	399	392	384	377
CDSL	1448	1660	1573	1510	1423	1360	1273	1210
DATAPATTERN	4267	5244	4782	4525	4063	3806	3344	3087
ESCORTS	2404	2562	2529	2466	2433	2370	2337	2274
EICHERMOTOR	7650	8222	8029	7840	7647	7458	7265	7076
FEDERAL BANK	359	405	386	372	353	339	320	306
GRINFRAPOJECT	810	900	865	838	803	776	741	714
HDFCBANK	803	856	837	820	801	784	765	748
HCLTECH	1372	1504	1477	1424	1397	1344	1317	1264
HINDUNILVR	1978	2081	2054	2016	1989	1951	1924	1886
HAL	4791	5303	5179	4985	4861	4667	4543	4349
HYUNDAI	2078	2245	2210	2144	2109	2043	2008	1942
IOC	144	157	154	149	146	141	138	133
ICICIBANK	1578	1661	1639	1608	1586	1555	1533	1502
INFY	1139	1214	1198	1168	1152	1122	1106	1076
ITC	284	268	279	256	267	244	255	232
KOTAKBNK	488	515	505	496	486	477	467	458
LICHOUSING	585	664	628	607	571	550	514	493
LT	4140	4397	4328	4234	4165	4071	4002	3908
LUPIN	1987	2076	2056	2022	2002	1968	1948	1914
MARUTI	12912	13757	13486	13199	12928	12641	12370	12083
M&M	3347	3688	3576	3462	3350	3236	3124	3010
MGL	1158	1247	1211	1185	1149	1123	1087	1061
MAZGAONDOC	1889	2015	1971	1930	1886	1845	1801	1760
PFC	336	367	357	347	337	327	317	307
RECLTD	301	334	326	313	305	292	284	271
RELIANCE	1341	1403	1376	1359	1332	1315	1288	1271
SBIN	1080	1185	1138	1109	1062	1033	986	957
SUNPHARMA	1876	2009	1977	1926	1894	1843	1811	1760
SHRIRAMFINANCE	969	1052	1030	999	977	946	924	893
TITAN	4855	5216	5136	4996	4916	4776	4696	4556
TCS	2410	2597	2555	2483	2441	2369	2327	2255
TATAMOTORS	288	313	307	298	292	283	277	268
UPL	551	606	586	568	548	530	510	492
VALIENT	362	439	413	388	362	337	311	286
WIPRO	195	208	205	200	197	192	189	184

Reliance Plans ₹43,000 Crore Underground Coal Gasification Project in Andhra

Andhra Pradesh: Reliance Industries is planning an integrated underground coal gasification complex in Andhra Pradesh with an initial investment of about ₹43,000 crore, according to a government document and people familiar with the proposal.

The project will use underground gasification to convert deep coal into usable gas without conventional mining. It is anchored in the Chintalapudi Sector A1 and Recherla blocks in Eluru district, awarded by the Union coal ministry. These hold an estimated 3,130 million tonnes of coal deeper than 600 metres. Production and development agreements signed in April were the first commercial blocks in India with embedded underground coal gasification provisions.

The project is phased. The first phase of roughly ₹3,000 crore covers exploration, geological assessments and pilot demonstrations to prove technical and commercial feasibility. The second phase of about ₹40,000 crore will proceed only after the pilot succeeds and approvals are received. Lifetime investment potential is estimated at up to ₹2.7 lakh crore.

It is expected to create 5,000 direct and 35,000 indirect jobs. The Andhra Pradesh Economic Development Board will act as the nodal agency for land, water, power and central clearances. Reliance did not immediately respond to requests for comment.

The proposal is part of a broader wave of large investments into Andhra Pradesh across energy, data centres and manufacturing.

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in